केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 40 शुक्रवार 29 अगस्त 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

कार ने दो बाइकों को मारी टक्कर, 1 की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नगर थाना क्षेत्र के गोटवा के पास हाईवे पर गुरुवार को सड़क हादसा हुआ। लखनऊ से आ रही तेज रफ्तार कार ने एक बाइक और मोपेड को टक्कर मार दी। हादसे में 4 युवक और 2 बच्चियां घायल हुए। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान एक युवक की मौत हो गई। वहीं आठ घंटे तक एंबुलेंस मौके पर नहीं पहुंची, जिसके बाद बच्चियों को एक पिकअप गाड़ी से अस्पताल पहुंचाया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार बहुत तेज गति से आ रही थी। बाइक सवारों को बचने का मौका नहीं मिला। टक्कर इतनी तेज थी कि कार के दोनों एयरबैग खुल गए और धुआं निकलने लगा। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। नगर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा गया।

पंचायत चुनाव के लिये मतदाता सूची पुनरीक्षण जारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । त्रिस्तरीय पंचायतों के सामान्य निर्वाचन 2026 हेतु ग्राम पंचायतवार तैयार की जाने वाली निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। उक्त जानकारी देते हुए जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) रवीश गुप्ता ने बताया है कि ग्राम पंचायत/केन्द्रवार नियुक्त बी0एल0ओ0 द्वारा घर–घर जाकर मतदाता सूची के पुनरीक्षण संबंधी कार्य किया जा रहा है।

उन्होने जनपद के समस्त ग्रामीण नागरिकों से अपील किया है कि वे अपनी–अपनी ग्राम पंचायतों की निर्वाचक नामावली में उनके परिवार के ऐसे व्यस्क सदस्य, जिनकी आयु दिनांक 01.01.2025 को 18 वर्ष या उससे अधिक हो गयी है, का नाम सम्मिलित कराने, अवांछित नामों को विलोपित कराने तथा गलत मुद्रित नामों को संशोधित कराने हेतु बी0एल0ओ0 द्वारा गणना कार्य में सहयोग करें।

ट्रंप टैरिफ ने बाजार को दिया झटका

नई दिल्ली (आभा)। भारतीय शेयर बाजार लगातार दूसरे सत्र में लुढ़क गया और गुरुवार को लाल निशान में बंद हुआ। अमेरिका द्वारा भारतीय आयातों पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त आयात शुल्क एक दिन पहले ही लागू कर दिया गया था। आज कारोबारी सत्र के अंत में, बीएसई सेंसेक्स 705.97 अंक या 0.87 प्रतिशत की गिरावट के साथ 80,080.57 पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 50 211.15 अंक या 0.85 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,500.90 पर बंद हुआ। 25153 के अपने हालिया उच्च स्तर से, निफ्टी अब केवल पाँच सत्रों में 650 अंकों से अधिक गिर चुका है। भारतीय बाजार कमजोर रुख के साथ खुले।

मुख्यमंत्री तक पहुंचा गौशाला का प्रकरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। ओम प्रकाश आर्य ने श्री गौशाला कठार जंगल में अतिक्रमण, सुरक्षा और चहारदीवारी के लिए मुख्यमंत्री को सौंपा आवेदन,मिला आश्वासन'

श्री गौशाला कठार जंगल में जिला प्रशासन के न्यायिक सहयोग से कथित साधु द्वारा अवैध कब्जे से मुक्त कराया जा सका लेकिन परिसर में अतिक्रमण न हो इसके लिए चहारदीवारी की परमावश्यकता है। इसलिए मुख्यमंत्री से निवेदन किया गया है और उन्होंने इसकी सुरक्षा सहायता का आश्वासन भी दिया है यह जानकारी ओम प्रकाश आर्य प्रधान न्यासी श्री गौशाला कठार जंगल बस्ती ने प्रेस को दी। ज्ञात हो कि गत बुधवार को ओम प्रकाश आर्य, गरुण ध्वज पाण्डेय और अनूप मिश्रा युवा जिलाध्यक्ष विकासशील व्यापार मण्डल व प्रबंधक उमा पब्लिक स्कूल बस्ती के साथ मुख्यमंत्री आवास पर उनसे जाकर मिले और गौशाला के सुरक्षा के लिए गुहार लगाई। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन की सहायता से गौशाला परिसर एवं मंदिर में अवैध कब्जे की मंशा को विफल किया गया है। इसके अलावा नगर पालिका का सीमा विस्तार, उत्तर प्रदेश के कासगंज में चल रहे कन्या गुरुकुल की भूमि को विवादमुक्त करने तथा सूबे में चल रहे वैदिक गुरुकुलों की सहायता और काशी शास्त्रार्थ स्थल वाराणसी को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करते हुए अन्यत्र भूमि आबंटन के लिए भी निवेदन पत्र सौंपा। अनूप कुमार मिश्र युवा जिलाध्यक्ष विकासशील व्यापार मण्डल बस्ती ने आए दिन जाम से जूझ रहे हर्दिया चौराहे के चौड़ीकरण एवं नाले के निर्माण तथा गोविंदनगर चीनी मिल को पुनः चालू करने के लिए निवेदन पत्र सौंपा। मुख्यमंत्री जी ने सभी मुद्दों को गंभीरता से सुनकर आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया है।

जयन्ती पर याद किये गये फिराक गोरखपुरी

तुझे ए जिंदगी हम दूर से पहचान लेते हैं

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गुरुवार को कबीर साहित्य सेवा संस्थान अध्यक्ष सामईन फारूकी संयोजन में कलेक्ट्रेट परिसर में उर्दू साहित्य में पहली बार ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त करने वाले फिराक गोरखपुरी को उनकी जयन्ती पर गोष्ठी का आयोजन कर याद किया गया।

मुख्य अतिथि डा. वी.के. वर्मा ने फिराक गोरखपुरी के जीवन वृत्त और साहित्य पर प्रकाश डालते हुये कहा कि 28 अगस्त 1896 को गोरखपुर में पैदा हुए फिराक गोरखपुरी का पूरा नाम रघुपति सहाय था, लेकिन आप फिराक गोरखपुरी के नाम से ही मशहूर हुए। अपने परिश्रम और योग्यता के चलते फिराक गोरखपुरी का चुनाव पीसीएस. और आईसीएस इंडियन सिविल सर्विस के लिए हुआ था लेकिन इसी दौरान महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन के समर्थन में उन्होंने इस्तीफा दे दिया जिसके परिणाम स्वरूप उन्हें जेल भी जाना पड़ा। उनकी शायरी आज भी लोगों की जुबान पर है। 'एक मुद्दत से तेरी याद भी आई न हमें, और हम भूल गए हों तुम्हें ऐसा भी नहीं'।

गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुये बाबूराम वर्मा ने कहा कि फिराक गोरखपुरी की शायरी में वर्तमान भारत के गुलामी की पीड़ा के बीच विद्रोह और आजाद स्वर स्पष्ट रूप से मुखरित हुआ। 'बहुत पहले से आहट उनकी हम पहचान लेते हैं. तुझे ए जिंदगी हम दूर से पहचान लेते हैं'' जैसी शायरी आज तक लोगों की जुबान पर है।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से फूलचंद चौधरी, गंगाराम वर्मा, दयाराम, ओंकार चतुर्वेदी, डा. वाहिद अली सिद्दीकी, दीपक सिंह, नीरज वर्मा, दीनानाथ यादव, दीनबंधु उपाध्याय आदि शामिल रहे। आभार ज्ञापन सामईन फारूकी ने किया।

IN LOVING MEMORY OF

LATE MRS. MADHURANI SINGH
(5-SEP-1958 TO 28-AUG-2020)
FOUNDER - LITTLE FLOWERS' SCHOOL - BASTI

LET US PAY OUR HEARTFELT TRIBUTES TO THE LEGENDARY WOMAN WHO PLANTED THE SEED TO THIS EVER BLOOMING TREE.

A year has passed, but your guiding presence remains with us every day. With unwavering will and tireless dedication, you transformed a modest beginning into the thriving institution that Little Flowers' School is today. Your vision, hard work, and passion continue to inspire us.

PRINCIPAL
Mrs. Aparna Singh

Katru Branch

Madhupuram Branch

HOSTEL Facility Available

MANAGER
Mr. S.P. Singh

हमें फैसला करना होता तो भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चयन पर इतना समय नहीं लगता– मोहन भागवत

नई दिल्ली (आभा)। भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बीच मतभेद के सवाल पर सर संघचालक मोहन भागवत ने कहा है कि कोई मतभेद नहीं है। गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में मोहन भागवत ने कहा कि मतभेद के कोई मुद्दे नहीं होते। मतभेद के विचार कुछ हो सकते हैं, लेकिन मनभेद बिल्कुल नहीं है और एक दूसरे पर विश्वास है, जो प्रयत्न कर रहे हैं, अच्छे से कर रहे हैं, क्षमता अपनी अपनी है, अलग अलग चलने तो भी सबको एक जगह ही जाना है।

बीजेपी अध्यक्ष चुने जाने को लेकर मोहन भागवत ने कहा कि इस सवाल पर कि सब कुछ संघ तय करता है, यह पूर्णतः गलत बात है। मतभेद हो सकते हैं, मनभेद नहीं हो सकता है। सब कुछ संघ तय करता है, यह बिल्कुल गलत बात है, यह नहीं हो सकता है। मैं शाखा चलाता हूं तो मैं इसका एक्सपर्ट हूं। लेकिन जो राज्य चला रहे हैं वो उस फील्ड में एक्सपर्ट हैं। इसलिए हम तय नहीं कर रहे हैं। हम सिर्फ सलाह दे सकते हैं। अगर हम तय करते तो इतना समय लगता क्या?

इस सवाल पर कि क्या आरएसएस और बीजेपी के बीच कोई मतभेद हैं, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा, 'हमारा हर सरकार, राज्य सरकारों और केंद्र सरकारों, दोनों के साथ अच्छा समन्वय है। लेकिन कुछ व्यवस्थाएं ऐसी भी हैं जिनमें कुछ आंतरिक विरोधाभास हैं। कुल मिलाकर व्यवस्था वही है, जिसका आविष्कार अंग्रेजों ने शासन करने के लिए किया था। इसलिए, हमें कुछ नवाचार करने होंगे। फिर, हम चाहते हैं कि कुछ हो। भले ही कुर्सी पर बैठा व्यक्ति हमारे लिए पूरी तरह से समर्पित हो, उसे यह करना ही होगा, और वह जानता है कि इसमें क्या बाधाएं हैं। वह ऐसा कर भी सकता है और नहीं भी। हमें उसे वह स्वतंत्रता देनी होगी। कहीं कोई झगड़ा नहीं है।

बीडीओ की अध्यक्षता में हुई शिक्षक, अभिभावक बैठक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हर्रैया ब्लॉक के कंपोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय ऊभाई में गुरुवार को शिक्षक – अभिभावक बैठक का आयोजन खण्ड विकास अधिकारी विनय कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में शिक्षकों, अभिभावकों के अलावा स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामवासियों ने हिस्सा लिया। बैठक में डीबीटी, विद्यालयों के ऑपरेशन कायाकल्प, शारदा कार्यक्रम, दिव्यांग बच्चों हेतु समर्थ कार्यक्रम, विद्यालय प्रबंध समिति और विभिन्न विभागीय बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए बीडीओ ने कहा कि अभिभावकों और शिक्षकों के बीच संवाद का मुख्य उद्देश्य बच्चों का सर्वांगीण विकास है। बैठक में बच्चे की शैक्षणिक प्रगति, व्यवहार संबंधी समस्याओं पर चर्चा बहुत आवश्यक है। बैठक में कई अभिभावकों ने भी अपने–अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिये और बच्चों के विकास में अपनी अहम भूमिका सुनिश्चित करने के लिए संकल्प लिया। विद्यालय प्रांगण में शिक्षकों के साथ बच्चों ने पौधरोपण भी किया।

इस अवसर पर प्रधानाध्यापक विद्यासागर वर्मा, प्रमोद कुमार त्रिपाठी, देवेंद्र शुक्ल, प्रवीण मिश्र, मेराज अहमद, उत्तम वर्मा मधूलिका द्विवेदी, विमलेंद्र वर्मा सुमन त्रिपाठी, राम शरन, प्रधान प्रतिनिधि धर्मपाल, ग्राम पंचायत सचिव संदीप चौधरी, भीमसेन उपाध्याय, रवि, धर्मेंद्र, संतोष पाठक, किरण, शीला देवी, कुमकुम, अंजू सहित बड़ी संख्या में अभिभावक मौजूद रहे।

नोडल अधिकारी ने किया विद्यालय, प्रशिक्षण का निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। विकासखण्ड दुबौलिया के संविलयन विद्यालय फेरसहन, वेदपुर नचना एवं कसैला बाबू का निरीक्षण बेसिक शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश के परियोजना कार्यालय से आए नोडल अधिकारी आयुष भट्ट ने गुरुवार को किया। उन्होंने सभी विद्यालयों के शिक्षकों को निपुण लक्ष्य प्लस एप इंस्टॉल कर बच्चों का सतत आकलन सुनिश्चित करने, निपुण तालिका तथा शिक्षक डायरी अद्यतन रखने एवं संदर्शिका के अनुसार शिक्षण कार्य करने के साथ ही उपलब्ध शैक्षिक संसाधनों का शिक्षण में प्रभावी प्रयोग करने का निर्देश दिया। कक्षा एक एवं दो के छात्रों से संवाद स्थापित कर उनके अधिगम स्तर को परखा गया। एसआरजी आशीष श्रीवास्तव और अंगद पाण्डेय द्वारा मॉडल टीचिंग प्रस्तुत किया गया। परियोजना कार्यालय के नोडल अधिकारी ने दुबौलिया में चल रहे एफएलएन प्रशिक्षण का भी निरीक्षण किया। प्रशिक्षण दो कक्षाओं में संचालित हो रहा था।जहाँ संदर्भदाता गणित विषय पर प्रशिक्षण दे रहे थे। नोडल द्वारा प्रशिक्षकों से प्रश्न पूछे गए जिनका संतोषजनक उत्तर मिला। खण्ड शिक्षा अधिकारी दुबौलिया विजय आनंद से कार्यालय में वार्ता कर निपुण भारत मिशन के अंतर्गत संचालित कार्यक्रमों की जानकारी प्राप्त किया। उन्होंने ब्लॉक डेवलपमेंट प्रोग्राम पर विस्तार से चर्चा किया। प्रभावी संचालन एवं क्रियान्वयन हेतु आवश्यक दिशा–निर्देश एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

बीएसए कार्यालय में तैनात जिला समन्वयक प्रशिक्षण स्वप्निल श्रीवास्तव से वार्ता करते हुए निपुण आकलन एवं आगामी कार्ययोजना पर चर्चा किया गया। जिला समन्वयक ने प्रशिक्षण सत्र के उपरांत एक प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया। जिसके अंतर्गत प्रत्येक विद्यालय में शत–प्रतिशत संदर्शिका का उपयोग, सतत आकलन तथा गणित किट, विज्ञान किट एवं अन्य शिक्षण सामग्रियों का प्रयोग सुनिश्चित कराया जाएगा। सीडीओ सार्थक अग्रवाल से निरीक्षक के संदर्भ में रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई।

कांग्रेस शहर अध्यक्ष शौकत अली नन्हू का फूल मालाओं के साथ स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गुरुवार को जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर शहर कांग्रेस के नव नियुक्त अध्यक्ष शौकत अली नन्हू का पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी के साथ फूल मालाओं के साथ स्वागत किया गया। शौकत अली नन्हू ने कहा कि अति शीघ्र कार्यकारिणी का गठन कर पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण कराया जायेगा। पार्टी ने जो दायित्व सौंपा है उसका पूरी निष्ठा से पालन किया जा रहा है।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी, सिद्धार्थनगर जिलाध्यक्ष काजी सुहेल अहमद, वरिष्ठ नेता देवेन्द्र श्रीवास्तव, पूर्व अध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय ज्ञानू, अनिल भारती, हाफिज अब्दुल हलीम, डा. वाहिद अली सिद्दीकी, संदीप श्रीवास्तव आदि ने कहा कि शौकत अली नन्हू कांग्रेस के निष्ठावान कार्यकर्ता हैं। निश्चित रूप से उनके नेतृत्व में शहर कमेटी जमीनी धरातल पर बेहतर कार्य करने के साथ ही पार्टी के संदेश को लोगों तक पहुंचाते हुये उन्हें जोड़ने की भूमिका निभायेगी।

शहर कांग्रेस अध्यक्ष शौकत अली नन्हू का स्वागत करने वालों में मुख्य रूप से अलीम अख्तर, सुरेन्द्र मिश्र, इश्तिखार अहमद, रामधीरज चौधरी, शबीहा खातून, नवदेश्वर शुक्ल, हाफिज रिजवान अहमद, कारी सहजाद आलम,परवेज जाफरी, अमर बहादुर शुक्ल, राहुल चौधरी, शेर मोहम्मद, अवधेश सिंह, गुड्डू सोनकर, आलोक त्रिपाठी, लालजी पहलवान, राम बचन भारती, राकेश मणि त्रिपाठी, लक्ष्मी यादव, सेराज अहमद, मो. सलीम, मो. नसीम, मंजू पाण्डेय, मो. अशरफ अली, रफीक खान, प्रताप नरायन मिश्र, सुनील पाण्डेय, अनूप पाठक, फजले आलम, सद्दाम हुसैन, राजेश भारती, फिरोज खान, गंगा मिश्र, राहुल मद्धेशिया, अभिषेक सिंह, भूमिधर गुप्ता, अजमुतुल्लाह, सर्वेश शुक्ल, शब्बीर अहमद, आनन्द निषाद, डी.एन. शास्त्री, शहजाद आलम, शोभित चौधरी, अफजल हुसैन, उमेश उपाध्याय, विश्वजीत 'शुभम', अखिलेश साहनी, दुर्गेश, चौधरी, राम बहादुर सिंह, राम प्रीत, मो. अकरम, राम सिंघारे, मो. अदनान, लालजी शर्मा, अवनीश त्रिपाठी के साथ ही कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

ब्लाक प्रमुख ने किया किसान सेवा केन्द्र मण्डी का औचक निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। इफको किसान सेवा केन्द्र मंडी में किसानों की लम्बी भीड़ खाद के लिए थी। जिसमें महिला एवं पुरुष किसान लाइन लगाएं खाद ले रहें थे। उसी समय गुरुवार को ब्लॉक प्रमुख किसान सेवा केन्द्र पहुँचें। जहाँ पर सैकड़ों महिला एवं पुरुष किसानों की भीड़ सुबह से लगी थी।

ब्लॉक प्रमुख अभिषेक कुमार ने किसानों से पूंछा कि यहां पर पीने के पानी व्यवस्था, उचित दर पर खाद का वितरण, समय से खाद गोदाम खुलने, अभी कब तक खाद की हैं आवश्यकता, धूप में लाइन लगाने की समस्याओं सहित अन्य जानकारी लिया गया। किसान विमला, बसंती, सुभद्रा, इसरत जहां, बलकत हुसेन, रामयज्ञ, इसरार, उदय प्रताप, शिवशंकर, पवन कुमार सहित किसानों ने बताया कि धूप में लाइन लगाकर खाद लेना मजबूरी हैं। पीने के पानी की कोई व्यवस्था नहीं हैं। किसानों ने कहा कि हम लोग धूप में खड़े होकर हाथ में खतौनी व आधार कार्ड लेकर लाइन में खड़े रहते हैं। वहीं सबल लोग धीरे से पॉस मशीन के कक्ष में घुस कर खाद ले लेते है। किसानों ने बताया कि अभी सप्ताह दस दिन तक खाद की आवश्यकता हैं।

ब्लॉक प्रमुख ने खाद प्रभारी निखिल द्विवेदी से कहा कि कल से प्रांगण में टेंट लगवाएं और पीने के पानी की व्यवस्था करें जिससे कि किसानों को धूप, गर्मी, वरसात व पानी के लिए परेशान न होना पड़े। अगर आप व्यवस्था नहीं कर पा रहें हैं तो हमें बताएं जिससे कि मेरे द्वारा टेंट व पानी की व्यवस्था सस्मय से करवाया जा सकें।

मंडी के एक दूसरे खाद प्रभारी श्याम दीपक के बारें जब प्रमुख ने पूंछा तो पता चला कि ये छुट्टी पर गये हुए हैं। जिस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए प्रमुख ने कहा कि यहां पर किसान खाद के लिए परेशान हैं और खाद सचिव छुटटी मना रहें हैं। किसान आकास, मेवालाल, पतिराम, सरोज यादव ने कहा कि दो काउन्टर चलवाया जाय।

खाद प्रभारी निखिल द्विवेदी ने कहा कि खतौनी व आधार कार्ड के माध्यम से खाद का वितरण किया जा रहा हैं। कहा कि कल से टेंट की व्यवस्था करवा दी जाएगी। कहा कि 455 बोरी यूरिया खाद गोदाम में बची थी, उसी का आज वितरण करवाया जा रहा है। कहा कि अंदर किसानों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था हेतु आरओ लगाया गया है।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 29 अगस्त 2025 शुक्रवार

सम्पादकीय

प्रकृति की चेतावनी

जीवनदायी पानी जब अपने विकराल रूप में सामने आता है तो कितना घातक व विनाशकारी हो जाता है, इस बार की मूसलाधार मानसूनी बारिश ने हमें बता दिया है। लोग अब पानी के आवेग को देखकर डरने लगे हैं। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू–कश्मीर व पूर्वोत्तर के हिमालयी राज्यों में बादल फटने, हिमस्खलन और मलबे के सैलाब की जो घटनाएं सामने आई हैं, उन्होंने हर किसी को भयभीत किया है। हालात ने बताया है कि हमेशा शांत रहने वाले पहाड़ भी कितना रौद्र रूप दिखा सकते हैं। इस अतिवृष्टि से सड़कों, पुलों व स्थायी संरचनाओं को भारी नुकसान पहुंचा है। खेतों में खड़ी फसलें तबाह हो गई हैं। जम्मू में वैष्णो देवी मार्ग पर भूस्खलन से कुछ श्रद्धालुओं की मौत दुखद घटना है। बांधों से आया अतिरेक पानी रावी, ब्यास व सतलुज को विकराल बना गया, जिससे पंजाब के करीब एक दर्जन जिले जलमग्न हो गए हैं। हजारों एकड़ फसलें बर्बाद हो गई हैं। पुल बहने व सड़कें तबाह होने से जन–जीवन पंगु बनकर रह गया है। पहाड़ों के लोग हैरत में हैं कि अचानक बादल फटने की घटनाओं में ये अप्रत्याशित वृद्धि कैसे हुई है। क्या कुदरत नाराज है? क्या ये गहराते ग्लोबल वार्मिंग संकट की देन है? दरअसल, हमारे नीति–नियंता पहाड़ों के पारिस्थितिकीय तंत्र की संवेदनशीलता को महसूस नहीं करते। भूल जाते हैं कि पहाड़ों का विकास मैदानी मॉडल पर नहीं किया जा सकता। साथ ही राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों के अधिकारियों की आधी–अधूरी तैयारियां भी संकट बढ़ाने वाली साबित हुई हैं। उल्लेखनीय है कि सर्वोच्च न्यायालय में दायर एक हलफनामे में, हिमाचल सरकार ने स्वीकार किया है कि पारिस्थितिक असंतुलन से निपटने के मौजूदा उपायों में कमियां रही हैं। राज्य ने इस स्थिति से निपटने के लिये एक 'व्यापक भावी कार्य योजना' तैयार करने के लिये कम से कम छह माह का वक्त मांगा है। विडंबना यह है कि प्राकृतिक आपदाओं को कम करने की तंत्र में कोई तात्कालिकता नजर नहीं आती। फिर इन आपदाओं का खमियाजा वे लोग उठाते हैं, जिनका इस स्थिति को पैदा करने में कोई रोल नहीं होता।

निस्संदेह, प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति वनों की कटाई, अनियमित विकास तथा जलवायु परिवर्तन के कारकों की वजह से तेज हुई है। वास्तव में मौजूदा स्थितियों में जो कुछ करने की जरूरत है, वो किसी भी तरह कोई रॉकेट साइंस नहीं है। इस संकट के मुकाबले के लिये वैज्ञानिक व प्रशासनिक व्यवस्था की गहरी समझ रखने वाले विशेषज्ञों को शामिल करने की जरूरत है। उनकी राय और सलाह नीति–निर्माताओं का मार्गदर्शन करेगी। सरकारों को राजनीतिक और व्यावसायिक हितों को दरकिनार करते हुए, पर्यावरण संवर्धन के लिये काम करना चाहिए। हिमाचल सरकार की पहल सराहनीय है, जिसमें संकट को बढ़ाने वाली खामियों की पहचान करने हेतु अधिकारियों, विषय विशेषज्ञों और सामुदायिक प्रतिनिधियों का एक कोर ग्रुप बनाने में उत्सुकता दिखायी गई है। वहीं दूसरी ओर जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जोखिमों को कम करने के उपायों पर विचार–विमर्श करने हेतु विशेषज्ञों से परामर्श का आह्वान किया है। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि कोर ग्रुप या समितियों की सिफारिशों को गंभीरता से लागू किया जाना चाहिए। अन्यथा पूरी प्रक्रिया का उद्देश्य ही विफल हो जाएगा। हमें अतीत के अनुभवों से सबक लेने की भी जरूरत है। स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में भी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आपदाओं के बाद बचाव, राहत व पुनर्वास में राज्य सरकारों तथा केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों के समन्वय की प्रशंसा की थी। हालिया आपदाओं के मद्देनजर ऐसा तालमेल अपरिहार्य है। जिससे आपदाओं से लोगों की आजीविका और बुनियादी ढांचे का नुकसान कम से कम किया जा सके। प्राकृतिक आपदाओं की पूर्व चेतावनी प्रणाली में सुधार करना समय की जरूरत है। निस्संदेह, खतरे के जरा से भी संकेत मिलने पर प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में तनिक भी देरी नहीं की जानी चाहिए। साथ ही प्रभावित राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों को आपस में मिलकर प्राकृतिक आपदाओं से जुड़ी जानकारी परस्पर साझा करनी चाहिए। वहीं पर्यावरण अनुकूल उपायों को भी बढ़ावा देना चाहिए। निस्संदेह, दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था प्राकृतिक आपदाओं के प्रकोप से होने वाली जन–धन की हानि को बर्दाश्त नहीं कर सकती है।

बिहार में वोट अधिकार यात्रा के निहितार्थ

–अखिल कुमार यादव–

बिहार की राजनीति में हमेशा से आंदोलनों और यात्राओं की अपनी अहमियत रही है। महात्मा गांधी की चंपारण सत्याग्रह से लेकर जयप्रकाश नारायण के संपूर्ण क्रांति आंदोलन तक इस धरती ने ऐसे कई राजनीतिक प्रयोग देखे हैं जिन्होंने न केवल बिहार बल्कि पूरे देश की दिशा बदली। इसी परंपरा में अब कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वोट अधिकार यात्रा की शुरुआत की है। यह यात्रा केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं है बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों को पुनर्जीवित करने का प्रयास है। बिहार जैसे राज्य से, जहाँ राजनीति का हर कदम सामाजिक समीकरणों से जुड़ा होता है, इस यात्रा का संदेश कहीं गहरा असर डाल सकता है। राहुल गांधी ने इस यात्रा के माध्यम से जनता से सीधा संवाद साधने की कोशिश की है। वे लोगों को यह समझाना चाहते हैं कि वोट केवल एक औपचारिक अधिकार नहीं बल्कि बदलाव का सबसे बड़ा हथियार है। बिहार की राजनीति लंबे समय से जातिगत समीकरणों और सामूहिक पहचान के आधार पर चलती रही है। मतदाता अक्सर अपनी जाति, धर्म या किसी स्थानीय समीकरण को प्राथमिकता देते हैं। राहुल गांधी इस सोच को चुनौती देते हुए कह रहे हैं कि अगर जनता अपने वोट को केवल जाति या प्रलोभन से ऊपर उठकर विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे मुद्दों पर डाले तो लोकतंत्र और भी मजबूत होगा। उनका संदेश साफ है कि जब तक आम आदमी अपने वोट की ताकत को समझकर उसका सही इस्तेमाल नहीं करेगा तब तक गरीबी, बेरोजगारी और असमानता जैसी समस्याओं का समाधान संभव नहीं है। बिहार की राजनीतिक पृष्ठभूमि को देखते हुए यह यात्रा कई मायनों में अहम है। कांग्रेस लंबे समय से राज्य की राजनीति में हाशिए पर रही है। लालू प्रसाद यादव और नीतीश कुमार जैसे नेताओं के उदय ने कांग्रेस की राजनीतिक जमीन को लगातार संकुचित किया। लेकिन राहुल गांधी की यह कोशिश है कि पार्टी फिर से जनता के बीच पैठ बनाए और अपने संगठन को मजबूत करे। वे यह दिखाना चाहते हैं कि कांग्रेस सिर्फ सत्ता पाने की पार्टी नहीं बल्कि लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा और सामाजिक न्याय की पक्षधर पार्टी भी है।

यह यात्रा सामाजिक स्तर पर भी एक महत्वपूर्ण संदेश दे रही है। बिहार की राजनीति मंडल–कमंडल की खींचतान, जातिगत गोलबंदी और चुनावी समीकरणों से घिरी रही है। राहुल गांधी का यह अभियान इस ढाँचे को चुनौती देता हुआ दिखाई देता है। वे सीधे–सीधे कह रहे हैं कि वोट बिकाऊ नहीं होना चाहिए, वोट डर या दबाव में नहीं पड़ना चाहिए और वोट जातीय पहचान का बंधक नहीं बनना चाहिए। इस दृष्टि से यह यात्रा सामाजिक चेतना जगाने की कोशिश है। राष्ट्रीय स्तर पर देखें तो इस यात्रा के कई दूरगामी निहितार्थ हो सकते हैं। राहुल गांधी पहले ही भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा कर चुके हैं जिनसे उनकी छवि एक जमीनी नेता और संघर्षशील राजनेता के रूप में उभरी। वोट अधिकार यात्रा उसी सिलसिले की अगली कड़ी है। कांग्रेस इस यात्रा के जरिए यह संदेश देना चाहती है कि वह केवल केंद्र या राज्य की राजनीति करने वाली पार्टी नहीं बल्कि जनता के बुनियादी अधिकारों की रक्षा के लिए आंदोलन करने वाली पार्टी भी है। 2029 के लोकसभा चुनाव की पृष्ठभूमि में भी इस यात्रा का महत्व बढ़ जाता है। अगर राहुल गांधी बिहार जैसे राजनीतिक रूप से संवेदनशील राज्य में अपनी जड़ें मजबूत करते हैं तो इसका असर देशभर में पड़ेगा। लोकतांत्रिक दृष्टि से भी यह यात्रा बेहद महत्वपूर्ण है।

आज जब चुनावों में धनबल और बाहुबल की भूमिका बढ़ती जा रही है, जब मतदाता को तरह–तरह के वादों और प्रलोभनों से प्रभावित किया जाता है, तब राहुल गांधी का यह संदेश कि वोट सबसे बड़ी ताकत है और उसका इस्तेमाल जागरूक होकर करना चाहिए, लोकतंत्र को नई दिशा देने वाला है। इस यात्रा के जरिये वे यह साबित करना चाहते हैं कि असली राजनीति जनता को उसके अधिकारों के प्रति जागरूक करने में है, न कि केवल चुनाव जीतने की रणनीति बनाने में। इस यात्रा से क्या कांग्रेस को तत्काल चुनावी लाभ होगा, यह कहना मुश्किल है। लेकिन इतना जरूर है कि इसने बिहार की राजनीति में नई बहस को जन्म दिया है। जनता के बीच वोट के महत्व पर संवाद शुरू हुआ है। जो लोग अब तक चुनाव को केवल एक जातीय समीकरण या सत्ता संघर्ष के रूप में देखते थे, वे भी सोचने लगे हैं कि उनका वोट देश और समाज की दिशा तय कर सकता है। राहुल गांधी की यह पहल इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह सिर्फ राजनीतिक लाभ की नहीं बल्कि लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने की बात करती है।

कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि बिहार से शुरू हुई राहुल गांधी की वोट अधिकार यात्रा भारतीय राजनीति में एक नया अध्याय लिखने की कोशिश है। यह यात्रा सिर्फ कांग्रेस की वापसी की रणनीति नहीं बल्कि लोकतंत्र के मूल्यों की पुनःस्थापना का आह्वान है। बिहार की जनता कितनी गहराई से इस संदेश को आत्मसात करती है और आने वाले चुनावों में किस तरह इसका असर दिखता है, यह भविष्य के गर्भ में है, लेकिन इतना तय है कि इस यात्रा ने राजनीति को एक नई ऊर्जा और लोकतंत्र को एक नई बहस दी है।

अस्पताल से जिन्दा कैसे लौटें.?

–डॉ. सत्यवान 'सौरभ'–

आज अस्पताल जीवनदान से ज्यादा भय और लूट का केंद्र बन गए हैं। नॉर्मल केस को वेंटिलेटर तक पहुँचाना, अनावश्यक टेस्ट कराना और दवा कंपनियों से कमीशन लेना आम हो गया है। मरीज और परिजन मानसिक, आर्थिक और शारीरिक कष्ट झेलते हैं। डॉक्टरों की छवि भगवान से कसाई जैसी होती जा रही है। समाधान यही है कि सरकारी अस्पतालों को मजबूत किया जाए, मेडिकल शिक्षा में सुधार हो और गलत इलाज पर कठोर कानून बने। इंसानियत और सेवा की भावना लौटे, तभी अस्पताल फिर से विश्वास का प्रतीक बन पाएंगे।

अस्पताल का नाम सुनते ही मन में उम्मीद जगती है। लगता है कि यहाँ पहुँचने के बाद जीवन सुरक्षित हो जाएगा, बीमारी दूर होगी और पीड़ा का अंत होगा। लेकिन जब यही अस्पताल भय, चिंता और शोषण का केंद्र बन जाए, तो सवाल उठता है कि आखिर मरीज और परिजनों के लिए अस्पताल जाना वरदान है या अभिशाप?

मेरे साथ घटित यह अनुभव केवल एक व्यक्तिगत घटना नहीं, बल्कि पूरे समाज का दर्द है। एक नन्ही सी जान, जो केवल थोड़ी देखभाल और सच्चे उपचार से स्वस्थ हो सकती थी, उसे डॉक्टरों ने लालच और व्यावसायिक मानसिकता के चलते वेंटिलेटर तक पहुँचा दिया। नॉर्मल केस को भी वेंटिलेटर पर डाल दिया गया, क्योंकि कमरे का एक दिन का किराया बढ़ाना जरूरी समझा गया। इसने हमें मानसिक रूप से तोड़ दिया, आर्थिक रूप से निचोड़ दिया और शारीरिक रूप से थका दिया। उस समय ऐसा लगा मानो सांसें गले में अटकी हों और भगवान भी कहीं दूर खड़े केवल तमाशा देख रहे हों।

हमारे समाज में डॉक्टरों को "भगवान" का दर्जा दिया जाता रहा है। लोग विश्वास करते थे कि डॉक्टर जीवनदाता है। लेकिन आज हालात बदल गए हैं। आज का डॉक्टर अक्सर पैसों का सौदागर लगता है। कई बार ऐसा लगता है कि डॉक्टर इलाज से पहले फीस, दवा कंपनी और मुनाफे का हिसाब लगाता है। डॉक्टर और कसाई में फर्क यही था कि कसाई को देखकर हमें पता होता है कि वह काटेगा, लेकिन डॉक्टर के पास जाते समय यह भरोसा होता था कि वह जीवन देगा। जब वही भरोसा टूटता है तो पीड़ा असहनीय हो जाती है।

आज अस्पतालों की दुनिया एक "मेडिकल माफिया" की तरह काम करती है। दवाइयाँ कई गुना दामों पर बेची जाती हैं। अनावश्यक टेस्ट कराए जाते हैं ताकि बिल मोटा हो। मामूली बुखार या संक्रमण को गंभीर बीमारी बनाकर मरीज को भर्ती किया जाता है। और अगर भर्ती हो गया तो आईसीयू और वेंटिलेटर तक का रास्ता दिखाना आम बात हो गई है। दवा कंपनियाँ, अस्पताल मालिक और डॉक्टरों का यह त्रिकोणीय गठजोड़ मरीज की मजबूरी का सबसे बड़ा सौदागर बन गया है। दवा वही लिखी जाती है जिस पर सबसे बड़ा कमीशन मिलता है। मरीज की जेब खाली होना डॉक्टर की सफलता बन गया है।

भारत जैसे देश में जहाँ लाखों लोग गरीबी रेखा से नीचे रहते हैं, वहाँ अस्पताल के बिल परिवार को सड़क पर ला सकते हैं। लोग मकान, गहने, जमीन तक बेच देते हैं ताकि प्रियजन का इलाज हो सके। लेकिन जब इतनी कीमत चुकाने के बाद भी अस्पताल से शव ही घर आए, तो उस परिवार की मानसिक पीड़ा की कल्पना करना मुश्किल है। आज इलाज से ज़्यादा महंगा वह डर है जो हर परिवार को अस्पताल की ओर कदम बढ़ाते समय घेर लेता है। लोग यह प्रार्थना करते हैं कि वे अस्पताल से "जिन्दा" लौट आएँ, वरना लुटकर लौटना लगभग तय है।

यह केवल अस्पताल या डॉक्टर का मुद्दा नहीं है, बल्कि पूरे समाज की नैतिकता का संकट है। जब शिक्षा को व्यवसाय बना दिया गया, तो डॉक्टर फैक्टरी से निकलने लगे। मेडिकल शिक्षा में भारी खर्च होता है, और वही खर्च बाद में मरीजों से वसूला जाता है। इस चक्र ने सेवा की भावना को कुचल दिया है। डॉक्टरों को याद रखना चाहिए कि उनका पेशा सिर्फ व्यवसाय नहीं, बल्कि समाज सेवा का संकल्प है। यदि यह संकल्प टूट गया, तो समाज में विश्वास और संबंध दोनों ही खत्म हो जाएंगे।

इस भयावह स्थिति से निकलने के लिए केवल शिकायत करना पर्याप्त नहीं है। कुछ ठोस कदम उठाने होंगे। सरकारी अस्पतालों को मजबूत करना जरूरी है ताकि आम आदमी महंगे निजी अस्पतालों का शिकार न बने। दवाइयों और टेस्ट पर सख्त नियंत्रण हो ताकि अनावश्यक बोझ मरीज पर न डाला जा सके। मेडिकल शिक्षा में सुधार जरूरी है जिससे केवल पैसा कमाने वाले नहीं, बल्कि सेवा भाव रखने वाले युवा डॉक्टर तैयार हों। हर गलत इलाज, अनावश्यक भर्ती और लापरवाही पर कठोर दंड देने वाले कानून बनाए जाएँ। साथ ही मरीजों और परिवारों को उनके अधिकारों और विकल्पों की जानकारी देने के लिए जागरूकता अभियान चलाए जाएँ।

सच है कि आज हालात भयावह हैं। डॉक्टरों की छवि कसाई जैसी हो गई है। लेकिन फिर भी यह नहीं भूलना चाहिए कि आज भी हजारों ऐसे डॉक्टर हैं जो सेवा को धर्म मानते हैं और ईमानदारी से मरीजों का इलाज करते हैं। हमें उन डॉक्टरों को सम्मान देना होगा और बाकी व्यवस्था को बदलने के लिए आवाज उठानी होगी।

अस्पताल जाना किसी सौदेबाजी का हिस्सा नहीं होना चाहिए। मरीज और उसके परिवार की पीड़ा को पैसा कमाने का साधन बनाना सबसे बड़ा पाप है। डॉक्टर तभी फिर से भगवान कहलाएंगे जब वे सेवा और मानवता को अपने पेशे का आधार बनाएँगे। जब तक व्यवस्था में पारदर्शिता और इंसानियत नहीं लौटती, तब तक हर परिवार यही सवाल पूछता रहेगा–"अस्पताल से जिन्दा कैसे लौटे?"

सोशल मीडिया पर उपदेशकों का संजाल

–डा. संजय वर्मा–

सोशल मीडिया का कोई भी मंच और सीखने–सिखाने का कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं बचा है, जहां सैकड़ों–हजारों उपदेशकों की फौज मौजूद न हो। इनके पास शिक्षा देने की कोई डिग्री या विशद अनुभव है भी या नहीं– चूंकि इसकी जांच का कोई तरीका नहीं है। एक फिल्मी कहावत है कि ज्ञान जहां से भी मिले, लपेट लेना चाहिए। इस ज्ञान बांटू और बटोरू मानसिकता का अगर सबसे ज्यादा असर कहीं हुआ है, तो सोशल मीडिया उपदेशकों के क्षेत्र में हुआ है। खासतौर से सोशल मीडिया का कोई भी मंच और सीखने–सिखाने का कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं बचा है, जहां सैकड़ों–हजारों उपदेशकों की फौज मौजूद न हो। इनके पास शिक्षा देने की कोई डिग्री या विशद अनुभव है भी या नहीं– चूंकि इसकी जांच का कोई तरीका नहीं है। इसलिए सिर्फ प्रभावशाली उपदेश देकर बारास्ता सोशल मीडिया ये लोग शिक्षा, तकनीक, अध्यात्म से लेकर शेयर मार्केट तक में छाए हुए हैं। इसका नतीजा क्या है– यह बानगी हाल में कथित तौर पर देश के जाने माने फाइनेंशियर इन्फ्लूएंसर और ट्रेडिंग एडवाइजर अधबूत साठे की ट्रेनिंग एकेडमी पर शेयर बाजार नियामक संस्था सेबी के छापे और तलाशी–जब्ती अभियान से स्पष्ट होती है। सेबी को अंदेशा है कि साठे की अकादमी के पाठ्यक्रमों के जरिए कम कीमत वाले (पेनी) स्टॉक्स को बढ़ावा देने वाले ऑपरेटरों के साथ मिलकर खुदरा निवेशकों को गुमराह कर रहे हैं।

यूट्यूब पर करीब एक लाख नियमित सब्सक्राइबर रखने वाले साठे को लेकर संदेह है कि अपने पाठ्यक्रमों से जुड़े सेमिनार और यूट्यूब चौनल के जरिए जिस तरह से वह खुद को बाजार का विशेषज्ञ बताकर और रातोरात करोड़ों रुपये कमाने का झांसा देते हैं, उसमें कुछ न कुछ झोल अवश्य है। सेबी को इसकी तमाम शिकायतें मिली हैं कि देश में फाइनेंशियल इन्फ्लूएंसरों की एक ऐसी फौज पैदा हो गई है, जो निवेशकों को शेयर बाजार की शिक्षा देते हुए गारंटिड रिटर्न का दावा करती है, जबकि ऐसे ज्यादातर लोग सेबी के नियमों के तहत यह शिक्षा देने के लिए पंजीकृत तक नहीं हैं।

हालांकि उपदेशक होना बुरा नहीं है। हर दौर में देश और समाज को दिशा दिखाने और सही–गलत का फर्क बताने वाले विद्वानों, ऋषि–मुनियों, साधु–फकीरों की जमात की मौजूदगी रही है। ये उपदेशक बताते थे कि क्या और कैसे बोला जाए, आहार और दिनचर्या क्या हो, आदर–सम्मान के क्या तौर–तरीके हैं। तभी मन का आपा न खोने वाली वाणी बोलने की सलाह देने वाले कबीरदास को संत की उपाधि दी गई। आज के संदर्भों में देखा जाए तो संत कबीर पुराने वक्त के इन्फ्लूएंसर थे।

हाल की कुछ घटनाओं में उपदेशकों की भूमिका को संदिग्ध माना गया है। जैसे, साल के शुरू में सोशल मीडिया पर कुछ ऐसे वीडियो वायरल हुए थे कि जब मनाली से लेकर अयोध्या–काशी में पर्यटकों की फौज उमड़ी पड़ रही थी, तो उसी दौरान अपने मनोरम समुद्र तटों के लिए मशहूर गोवा के समुद्री किनारे (बीच), होटल आदि खाली पड़े थे। इन दावों को गोवा सरकार ने फर्जी बताते हुए झूठ परोसने के लिए सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसरों पर माननहानि का दावा ठोकने की बातें कही थीं। सरकार का दावा था कि कुछ सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर एक टूलकिट इस्तेमाल कर रहे हैं। इस टूलकिट के जरिए वे पर्यटकों को गोवा से मुंह मोड़कर दूसरी जगहों पर जाने की भ्रामक जानकारी दे रहे हैं।

एक अनुमान के मुताबिक हमारे ही देश में इस वक्त 40.6 लाख से ज्यादा सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर मौजूद हैं, जिनमें से 10 फीसदी हर महीने लाखों रुपये कमाते हैं। सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर इंस्टाग्राम, यूट्यूब, फेसबुक आदि तमाम मंचों पर हर किस्म का ज्ञान परोस रहे हैं। घुमक्कड़ी , खाना बनाने–पकाने, फैशन टिप्स से लेकर वीडियो के संपादन और शेयर बाजार के खिलाड़ी बनाने तक के गुर बताने वाले इन्फ्लूएंसर्स की संख्या भी लाखों में है। इनमें से सैकड़ों ऐसे भी हैं, जिनके शुभचिंतकों (फॉलोवर्स) की संख्या भी लाखों–करोड़ों में है।

इधर कुछ वर्षों से विभिन्न राजनीतिक दल जिस प्रकार खुद सोशल मीडिया का बढ़–चढ़कर इस्तेमाल करने से लेकर इन्फ्लूएंसर्स की सेवाएं भी लेने लगे हैं, उसका निष्कर्ष है कि इन सोशल मीडिया उपदेशकों का सही या गलत– कुछ प्रभाव तो होता ही है। यही वजह से ऑनलाइन सामान और सेवाएं बेचने वाली कंपनियां तो विविध तरह से भुगतान करके इनकी सेवाएं लेती हैं। लेकिन यहां सवाल है कि इन्हें सही करने या इन्हें रोकने–टोकने का जिम्मा आखिर किसका है।

इसमें तो संदेह नहीं है कि सोशल मीडिया मंचों ने हर व्यक्ति को अपनी बात खुलकर कहने का अवसर देकर नागरिकों को सशक्त बनाया है। मुसीबत तब शुरू हुई जब एक तरफ सोशल मीडिया कंपनियों ने यह फैसला अपने हाथ में ले लिया कि लोग ऑनलाइन क्या देखें और क्या नहीं। दूसरी तरफ, इनके विभिन्नों मंचों पर अधकचरी जानकारी के साथ आने वाले उपदेशकों ने हर क्षेत्र में हाथ आजमाने की कोशिश की। इनमें से ज्यादातर के पास न तो संबंधित ज्ञान परोसने की कोई डिग्री है और न ही ऐसा विशद अनुभव, जिसके आधार पर उन्हें विद्वान माना जा सके। लेकिन कहने की शैली और डिजिटल प्रबंधों के बल पर ये कोई भी बात इस तरह पेश करते हैं कि आम लोग बड़ी आसानी से इनके प्रभाव में आ जाते हैं। समस्या का एक छोर यह है कि ये इन्फ्लूएंसर अपनी लोकप्रियता का फायदा उठाकर लोगों को घटिया या फर्जी उत्पाद खरीदने को प्रेरित करते हैं।

इंग्लैंड की पोर्ट्समाउथ यूनिवर्सिटी ने एक शोध में बताया कि इन्फ्लूएंसर की सलाह पर 16–60 साल की उम्र के बीच करीब 22 फीसदी उपभोक्ताओं ने ऐसे नकली उत्पाद खरीद लिए, जिन्हें इन्फ्लूएंसर्स ने प्रमोट किया था। हालांकि एक्स (ट्विटर), फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम आदि ने फेक (नकली) अकाउंट की पहचान करने और उन्हें ब्लॉक करने जैसे उपायों को लागू किया है, लेकिन यह रोकथाम बहुत असरदार नहीं रही है। इनमें से बहुत से ऐसे हैं जो अपना प्रभाव दिखाने के लिए पैसे देकर अपने फॉलोअर और व्यूज बढ़ाते हैं।

देश में बड़ी संख्या में युवाओं के शेयर बाजार में ट्रेडिंग को लेकर बढ़ती दिलचस्पी को देखकर जब बड़े पैमाने पर सोशल मीडिया पर वित्तीय सलाह देने वाले विशेषज्ञों (फाइनेंशियल इनफ्लुएंसर्स या फिनफ्लूएंसर) की बाढ़ आ गई तो उससे एक फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। पता चला कि इनमें से ज्यादातर के पास वित्तीय सलाह देने वाली कोई डिग्री नहीं है। यह भी पता चला कि कई फाइनेंस इनफ्लुएंसर ने शेयर कारोबार में हुए नुकसान की भरपाई के लिए युवाओं को फ्यूचर एंड ऑप्शन के कोर्स बेचकर पैसे वसूले।

देवरिया महायोजना 2031: भू–मालिकों में मचा हड़कंप, भूमि उपयोग बदलने की मांग

संवाददाता—देवरिया। महायोजना 2031 के तहत प्रस्तावित नक्शे को लेकर इसके जद में आने वाले भू–स्वामियों में हड़कंप मच गया है। भूमि प्रयोजन को बदले जाने की अब जोरदार मांग उठने लगी है। उमानगर–रामनाथ देवरिया के लोगों ने सदर विधायक से मिलकर ज्ञापन सौंपा। देवरया महायोजना 2031 में शहर सहित आस पास के 74 गांवों के 6478 गाटा की भूमि शामिल की गई है। इसमें शहर के बहुत से ऐसे गाटा को शामिल किया गया है जिसमें लोग मकान बनाकर रह रहे हैं। अब मकान ध्वस्त होने की चिंता इन्हें सताने लगी है। ड्राफ्ट कार्यालय में अब इन मकानों के द्वितीय व तृतीय तल तथा खाली भूमि पर मकान बनाने के लिए नक्शा पास भी नहीं हो रहा है। सदर विधायक शलभ मणि त्रिपाठी को सौंपे गए ज्ञापन में वार्ड के लोगों ने बताया कि सीसी रोड देवरिया रामनाथ अंदर नगर से रुद्रपुर रोड को जाने वाली सड़क वर्तमान में मास्टर प्लान में नौ मीटर है। इसी पर नक्शा भी ड्राफ्ट किया है। जबकि रिवाइज्ड प्लान में यह सड़क 18 मीटर बनाने की योजना है। नई योजना में अधिकांश लोगों की बनी मकान ध्वस्त हो सकती है, जिससे लोग बेघर हो जाएंगे। इस रोड के किनारे करीब सौ से अधिक लोगों की मकानें प्रभावित होंगी।

इसी तरह शहर की कई अन्य सड़कों की चौड़ाई बढ़ाई गई है। विधायक ने लोगों को आश्वस्त किया कि महायोजना में नए बनने वालों भवनों पर लागू है। इसके लिए उच्चाधिकारियों से वार्ता करेंगे। ज्ञापन सौंपने वालों में सुनैना, धीरेंद्र पांडेय, पुष्पा, सुमित्रा, संजीव तिवारी, आनंद कुमार, जितेंद्र कुमार, संजीव तिवारी सहित काफी संख्या में वार्ड के लोग शामिल रहे।

मोबाइल टावर पर झंडा फहराने से जगरनाथपुर में तनाव, पुलिस ने शांत कराया मामला

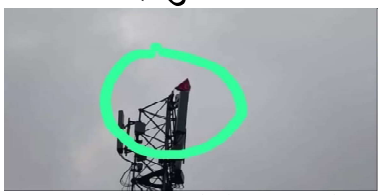

संवाददाता—महराजगंज। ग्राम जगरनाथपुर में गुरुवार की सुबह उस समय तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई, जब ग्रामीणों ने गांव के बाहर मोबाइल टावर पर एक विशेष समुदाय का झंडा लहराता देखा। काफी संख्या में ग्रामीण एकत्रित हो गए और विरोध जताने लगे। मौके पर पहुंची पुलिस ने टावर कर्मी को बुला कर झंडा उतरवाया और ग्रामीणों को समझाकर शांत कराया। सिंदुरिया थाना अंतर्गत जगरनाथपुर निवासी अजीत पांडेय जब सुबह सोकर उठे तो कुछ देर बाद बाहर टहलते हुए आए। इस दौरान उनकी नजर खेत में लगे टावर पर पड़ी। देखा की किसी ने विशेष समुदाय का झंडा लगा दिया है।

इसके बाद उन्होंने डायल 112 को सूचना दी। देखते–देखते वहां काफी संख्या में ग्रामीण भी एकत्रित हो गए और अराजक तत्वों की इस कार्रवाई के विरोध में आक्रोश व्यक्त करने लगे। मौके पर पहुंचे सदर सीओ जयप्रकाश त्रिपाठी ने टावर कर्मी को बुला कर झंडा उतरवा दिया। गांव में शांति व्यवस्था के लिए प्रभारी थानाध्यक्ष राजकुमार सिंह, चौकी प्रभारी दिलीप कुमार व कन्हैया वर्मा मौजूद रहे। सीओ जयप्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि गांव में शांति व्यवस्था कायम है। किसी शरारतीतत्व द्वारा यह कृत्य किया गया है। जिसकी जांच की जा रही है।

दो बाइकों की टक्कर में एक की मौत

संवाददाता—देवरिया। रुद्रपुर–पिड़रा मार्ग पर गुरुवार सुबह 10 बजे एक गंभीर सड़क दुर्घटना हुई। गोनाह सुरतपुरा के समीप दो बाइकों की आमने–सामने टक्कर में चार लोग घायल हो गए। घायलों में उदय अकादमी के दो छात्र साहिल यादव (17) और इंद्रजीत यादव शामिल हैं। सिलहटा निवासी साहिल, जो राजेश यादव का पुत्र है, अपने दोस्त इंद्रजीत के साथ काशी मोड़ के पास सामने से आ रही बाइक से टकरा गया। दोनों छात्र स्कूल देर से पहुंचे थे। फाटक बंद होने के कारण वे वापस घर लौट रहे थे। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। सभी घायलों को एंबुलेंस से रुद्रपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वर्तमान में सभी का इलाज जारी है। साहिल की स्थिति नाजुक बनी हुई है।

विराट कुश्ती दंगल में पहलवानों ने दिखाया दम

—भारतीय बस्ती संवाददाता— बस्ती। विक्रमजोत ब्लॉक के गौरिया नैन में स्व. बाबा राममणि पाण्डेय की स्मृति में गुरुवार को विराट कुश्ती दंगल प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। जिलाध्यक्ष भाजपा विवेकानन्द मिश्र, विधायक अजय सिंह, गोसाईगंज अयोध्या के पूर्व विधायक इंद्र प्रताप खब्बू तिवारी और पूर्व विधायक अंबिका सिंह ने दंगल प्रतियोगिता का उद्घटान किया। उद्घाटन के पश्चात पहलवानों से परिचय प्राप्त करते हुए अतिथियों ने कहा कि कुश्ती हमारी प्राचीन धरोहर और हमारे संस्कृति की पहचान है, जिसको बचाकर रखना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी बनती है। इस तरह के खेल आयोजनों से समाज में भाईचारा बढ़ता है व परस्पर सहयोग की भावना का संचार होता है। कहा कि विलुप्त हो रही इस कला को जीवित रखने की जरूरत है इससे प्रतिभाओं को बड़े स्तर पर अपनी कला प्रदर्शन का मौका मिलता है। दंगल के आयोजक यज्ञेश पाण्डेय, शैलेश पाण्डेय ने अतिथियों का माल्यार्पण करके स्वागत किया। नन्दनीनगर के मोनू ने गोरखपुर के श्याम को हराया । मथुरा के पागल बाबा ने हरियाणा के सुखबीर को पटखनी दी। अयोध्या के अखिल एवं तुलसीपुर के अमरजीत का मुकाबला बराबरी पर रहा। इसी तरह दंगल में हनुमान गढ़ी अयोध्या, नंदिनी नगर नवाबगंज गोंडा, गोरखपुर, बनारस, आजमगढ़, झांसी, मेरठ, दिल्ली, हरियाणा सहित देश के विभिन्न जगहों से आए राष्ट्रीय और राज्य स्तर के साथ ही सैकड़ो की संख्या में स्थानीय स्तर के पहलवानों ने एक दूसरे को पटकनी देकर उपस्थित हजारों की संख्या में दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। दंगल के आयोजक यज्ञेश पाण्डेय, शैलेश पाण्डेय ने विजयी पहलवानों को पुरस्कार एव सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख विक्रमजोत कृष्ण कुमार सिंह, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि परशुरामपुर श्रीश पाण्डेय, वरिष्ठ भाजपा नेता जगदीश प्रसाद शुक्ल, जिला पंचायत सदस्य आदित्य प्रताप पाण्डेय, भानु प्रताप सिंह, योगेन्द्र सिंह, सिद्धार्थ सिंह, दिलीप पाण्डेय, अर्जुन उपाध्याय, प्रेम शंकर ओझा, विवेक कान्त पाण्डेय, हिमांशु सिंह, राज बहादुर पाण्डेय, देशराज यादव, रमाकांत सिंह, देवेन्द्र सिंह, दुर्गेश दुबे द्विवेदी, राजकुमार शुक्ल, रितेश मिश्र सहित हजारों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

छात्र नेता का आरोप, सीएम से मिलने का झूठा आश्वासन देकर आंदोलन रूकवाया

संवाददाता—गोण्डा। राष्ट्रीय छात्र पंचायत ने सिंचाई डाक बंगले में प्रेस वार्ता की। राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवम पांडेय ने मुख्यमंत्री के ओएसडी पर गंभीर आरोप लगाए।

पांडेय ने बताया कि गोंडा से छात्र कावड़ यात्रा मुख्यमंत्री आवास तक निकाली गई थी। वहां से उन्हें एक गार्डन भेज दिया गया। छात्रों ने मुख्यमंत्री को खून से पत्र लिखा और 10 दिन तक बरसात में धरना दिया। इसके बाद लखनऊ एसीपी ने कहा कि मुख्यमंत्री मिलना चाहते हैं।

चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में शिवम पांडे (गोंडा), हिमांशु सिंह (लखनऊ), अंकित निषाद (अयोध्या) और अभय वर्मा (बाराबंकी) शामिल थे। पुलिस वैन में बैठाकर उन्हें मुख्यमंत्री आवास ले जाया गया। वहां उनका सामान बाहर निकलवा लिया गया। 10 रुपये के नोट भी नहीं ले जाने दिए गए।

मुख्यमंत्री के ओएसडी ने बताया कि मुख्यमंत्री बाहर गए हैं। उन्होंने 10–15 दिनों में मुलाकात कराने का आश्वासन दिया। साथ ही कहा कि फीस रेगुलेशन बिल को मानसून सत्र में लाया जाएगा।शिवम पांडेय ने कहा कि ओएसडी के आश्वासन पर आंदोलन समाप्त कर दिया गया। लेकिन 25 दिन बीत जाने के बाद भी मुख्यमंत्री कार्यालय से कोई संपर्क नहीं किया गया। अब छात्र पंचायत उत्तर प्रदेश के 75 जिलों में गांव–गांव जाकर जनता के बीच अपनी बात रखेगी और मुख्यमंत्री को पत्र लिखवाएगी।

शिवम पांडेय ने कहा कि ओएसडी के आश्वासन पर आंदोलन समाप्त कर दिया गया। लेकिन 25 दिन बीत जाने के बाद भी मुख्यमंत्री कार्यालय से कोई संपर्क नहीं किया गया। अब छात्र पंचायत उत्तर प्रदेश के 75 जिलों में गांव–गांव जाकर जनता के बीच अपनी बात रखेगी और मुख्यमंत्री को पत्र लिखवाएगी।

ग्रामीणों ने चोर को पकड़ा

संवाददाता—गोण्डा। थाना छपिया क्षेत्र में 28 अगस्त की रात एक चोर को रंगे हाथों पकड़ा गया। नरायनपुर–नानकार गांव में रजनीश तिवारी के घर में चोर छत के रास्ते से घुस गया। रात करीब एक बजे चोर कमरे में रखे लोहे के बक्से से जेवरात निकाल रहा था। खटपट की आवाज से मकान मालिक रजनीश तिवारी की नींद खुल गई। उन्होंने तुरंत चोर को पकड़ लिया और शोर मचाया। आवाज सुनकर उनके चचेरे भाई मनीष कुमार तिवारी और हर्ष तिवारी मौके पर पहुंचे। गांव के अन्य लोग भी वहां जमा हो गए। पकड़े गए चोर ने अपनी पहचान थाना खोडारे क्षेत्र के अल्लीपुर ग्रांट निवासी सरजू प्रसाद (21) के रूप में बताई। ग्रामीणों ने चोर को पकड़कर थाने में सौंप दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

वीडियो में पुलिस की मौजूदगी में चोर की तलाशी ली जा रही है। तलाशी के दौरान सोने और चांदी के आभूषण दिखाई दे रहे हैं। हालांकि, दर्ज एफआईआर में आभूषण बरामदगी की पुष्टि नहीं की गई है। थाना प्रभारी छपिया रामसमुझ प्रभाकर के अनुसार, चोरी के मामले में मुकदमा दर्ज कर आरोपी सरजू प्रसाद को गिरफ्तार कर लिया गया है।

निचलौल में गांव वालों ने जाल बिछाकर मगरमच्छ को पकड़ा

संवाददाता—महराजगंज। जिले के निचलौल रेंज के ग्राम सभा कमता में बुधवार रात एक मगरमच्छ आबादी क्षेत्र में पहुंच गया। यह मगरमच्छ गांव की पोखरी से निकलकर कपिल, रामसवारे, मधुर और राजमंगल के घरों के पास आ गया। मगरमच्छ को देखकर गांव में अफरा–तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने सूझबूझ का परिचय देते हुए जाल बिछाकर मगरमच्छ को पकड़ लिया। मगरमच्छ के काबू में आने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि वाहिद अली ने तुरंत वन विभाग को घटना की जानकारी दी। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचने की तैयारी कर रही है। विभाग के अधिकारियों के आने के बाद मगरमच्छ को सुरक्षित जंगल या नदी क्षेत्र में छोड़ा जाएगा। ग्रामीणों के अनुसार इस पोखरी में लंबे समय से मगरमच्छ रह रहा था। यह पहली बार है जब वह आबादी वाले क्षेत्र में आया है। ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग को इस मामले में उचित कार्रवाई करनी चाहिए।

स्कूल वाहनों में सुरक्षा मानकों का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं –डीएम

संवाददाता—देवरिया। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने स्कूली वाहनों में बच्चों की सुरक्षा को लेकर कड़े निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने गुरुवार को जिले के विभिन्न विद्यालयों के प्रबंधकों के साथ बैठक की। डीएम ने स्पष्ट किया कि बच्चों के परिवहन में लापरवाही नहीं चलेगी। सभी स्कूल वैन और बसों की फिटनेस वैध होनी चाहिए। वाहनों में ओवरलोडिंग पूरी तरह प्रतिबंधित है। ड्राइवर और कंडक्टर को निर्धारित ड्रेस कोड का पालन करना होगा। सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने पर विद्यालय प्रबंधक और वाहन संचालक दोनों के खिलाफ कार्रवाई होगी। किसी दुर्घटना की स्थिति में स्कूल प्रबंधन पर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। खराब फिटनेस वाले वाहनों को तुरंत बंद करने के आदेश दिए गए हैं। बच्चों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए हर स्कूल में रोड सेफ्टी नोडल टीचर नियुक्त किया जाएगा। प्रार्थना सभा में बच्चों को यातायात नियमों की शपथ दिलाई जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि है। आदेशों की अवहेलना करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

एक सितम्बर को सभी स्कूलों में लिया जाएगा साझा संकल्प

संवाददाता—श्रावस्ती। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ श्रावस्ती के पदाधिकारियों ने जिला पंचायत अध्यक्ष ददन मिश्र से मुलाकात की। इस दौरान एक सितम्बर को स्कूलों में दोहराए जाने वाले वाले संकल्प पत्र का विमोचन किया गया। आगामी एक सितंबर को जनपद के विद्यालयों में हमारा विद्यालय हमारा स्वाभिमान (संकल्प दिवस) कार्यक्रम मनाया जाएगा। जिसमें शिक्षक व बच्चे स्कूलों का संरक्षण करने का संकल्प दोहराएंगे। इसके लिए शैक्षिक महासंघ के पदाधिकारियों ने जिला पंचायत अध्यक्ष से मुलाकात करके संकल्प पत्र की जानकारी दी और चर्चा की। इस दौरान संकल्प पत्र का विमोचन ददन मिश्र ने किया। संगठन के जिलाध्यक्ष नीलमणि शुक्ल ने बताया कि अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के तत्वाधान में आगामी एक सितंबर को सभी विद्यालयों में शिक्षकों और छात्रों की ओर से पांच बिंदुओं पर साझा संकल्प लिया जाएगा। इस अवसर पर सन्तोष मिश्र,जीतेंद्र द्विवेदी, राजकुमार सिंह,अजय वर्मा, रण विजय प्रकाश, पंकज शुक्ल, इंद्रेश मिश्र, करुणाकर पांडेय, सौरभ मिश्र, शिव सहाय मिश्र,कृष्ण कुमार,महेश मिश्र,अंकित कुमार, हिमांशु, हेमलता यादव समेत तमाम पदाधिकारी मौजूद रहे।

रेलवे ट्रैक पर मिला ट्रक चालक का शव, परिजनों ने हत्या का लगाया आरोप

संवाददाता—गोण्डा। नगवा गांव के मजरे गोसाईं पुरवा निवासी 35 वर्षीय युवक का शव बृहस्पतिवार की सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में रेलवे ट्रैक पर मिला। शव मिलने की सूचना से परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक की मां ने हत्या कर शव फेंके जाने का आरोप लगाया है। गांव निवासी रामजग (35) बुधवार की रात करीब दस बजे घर से निकले थे। बृहस्पतिवार की सुबह मनकापुर–अयोध्या रेलखंड के दुल्लापुर रेलवे क्रॉसिंग के पास उनका शव पड़ा मिला। स्थानीय लोगों ने शव की पहचान कर परिजनों को सूचना दी।

मृतक की मां मिखना देवी ने बताया कि बेटे का गांव के पास की एक महिला से प्रेम–प्रसंग चल रहा था। उन्होंने आशंका जताई कि इसी विवाद में हत्या कर शव रेलवे ट्रैक पर फेंका गया है। सूचना पर आरपीएफ और पुलिस मौके पर पहुंची। आरपीएफ सब–इंस्पेक्टर राकेश राय ने बताया कि सुबह करीब सात बजे की–मैन सतीश ने ट्रैक पर शव पड़े होने की जानकारी दी थी। वहीं उपनिरीक्षक विश्वास चतुर्वेदी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मृतक पेशे से ट्रक ड्राइवर था और दो भाइयों में बड़ा था। उसके परिवार में पत्नी रेनू देवी, बेटी कोमल (18), बेटा अभय (16) और प्रिंस (7) हैं। घटना के बाद परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

झांकी में भगवान शंकर बना युवक अचानक चकराकर गिरा, पलभर में मौत से मचा हड़कंप

संवाददाता—कुशीनगर। स्थानीय कस्बे में आयोजित डोल मेले के एक अखाड़े द्वारा निकाले गए झांकी में भगवान शंकर का किरदार निभा रहे एक कलाकार मंच अचानक गिर गया। उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मेले में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी के बाद हरकत में आई तमकुहीराज पुलिस मृतक कलाकार के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना को लेकर आयोजकों में हड़कंप की स्थिति रही।

बुधवार को तमकुहीराज कस्बे में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत डोल मेला का आयोजन धूमधाम से आयोजित किया गया था। डोल मेले में आयोजकों द्वारा झांकी सहित तमाम तरह की प्रदर्शनी एवं नृत्य का आयोजन कर उसका प्रदर्शन किया जा रहा था। इसी दौरान तमकुहीराज के धुरिया इंमिलिया के छत्रपति शिवाजी महाराज अखाड़ा वन पल्स द्वारा निकाले गए झांकी में कसया थानाक्षेत्र के बेलवा निवासी रामबहाल पुत्र गिरधारी 21 जो भगवान शंकर का किरदार निभा रहा था, अचानक मूर्छित होकर नीचे गिर गया। आनन–फानन में उसके सहयोगी कलाकार एवं आयोजक मंडल के सदस्य पुलिस की मदद से मूर्छित कलाकार को लेकर सीएचसी तमकुहीराज पहुंचे। जहां जांच पड़ताल के बाद चिकित्सको ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही मौके पर एसडीएम आकांक्षा मिश्र, सीओ रामप्रकाश सिंह, थानाध्यक्ष सुशील शुक्ला पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना को लेकर आयोजकों द्वारा डीजे साउंड में उतरे करंट के कारण मौत होना बताया जा रहा था। जबकि सीएचसी के चिकित्सको का कहना था कि मृतक के शरीर पर प्रथम दृष्टया करंट लगने के कोई निशान नहीं थे। इस संबंध में थानाध्यक्ष तमकुहीराज सुशील कुमार शुक्ला ने बताया कि कलाकार के शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज गया है। पीएम रिपोर्ट आने पर घटना की सही एवं सटीक जानकारी मिल पाएगी। मामले में आवश्यक कारवाई की जा रही है।

विवाहिता का सरयू नहर में मिला शव, तीन दिन से लापता थी, भाई ने ससुराल वालों पर लगाया हत्या का आरोप

संवाददाता—बलरामपुर। तीन दिन से लापता नवविवाहिता का शव सरयू नहर से बरामद हुआ है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। आगे की जांच शुरू कर दी है।

यह पूरा मामला श्रीदत्तगंज थाना क्षेत्र के चमरपुर के मजरा भड़वाजोत का है। गांव निवासी बुधराम ने 26 अगस्त को थाने पर दिए गुमशुदगी की तहरीर दी थी। उन्होंने दिए तहरीर में बताया कि 26 अगस्त की सुबह 7:30 बजे उनके बेटे मेलाराम की पत्नी कंचन देवी घर से बाहर गई थी। लेकिन देर तक वापस नहीं लौटी। परिजनों ने खोजबीन शुरू की, लेकिन कोई पता नहीं चला।

इधर, गोंडा जिले के इटियाथोक थाना क्षेत्र के रमगढ़िया निवासी विवाहिता के भाई अनंतराम साहू ने स्थानीय थाने में तहरीर देकर बताया कि करीब दो वर्ष पहले कंचन की शादी भड़वाजोत निवासी रामदयाल उर्फ मेलाराम से हुई थी। शादी के बाद से ही रामदयाल और उसका परिवार दहेज की मांग को लेकर बहन को प्रताड़ित करता था। कई बार समझाने के बावजूद उत्पीड़न जारी रहा। आरोप है कि 26 अगस्त को दहेज विवाद के बाद बहन की हत्या कर उसे नहर में फेंक दिया गया और ससुराल वाले बचाव के लिए गुमशुदगी की तहरीर देकर मामले को दबाने का की कोशिश कर रहे हैं।

बता दें कि भड़वाजोत के पास स्थित सरयू नहर पर गुरुवार को पुलिस और पीएसी टीम ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया। लेकिन कुछ पता नहीं चला। इसी दौरान गैंडास बुजुर्ग थाना पुलिस ने श्रीदत्तगंज पुलिस को सूचना दिया कि मजरा लोनियनडीह के पास सरयू नहर में एक महिला का शव मिला है। सूचना पर पुलिस, परिजनों समेत ग्रामीण भी मौके पर पहुंचे। शव को नहर से बाहर निकाला गया और परिजनों ने शव की पहचान कंचन देवी के रूप में की। वहीं, गैंडास बुजुर्ग थाना प्रभारी राजीव कुमार मिश्रा ने बताया कि शव की शिनाख्त करवाकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। थाना प्रभारी श्रीदत्तगंज कर्मवीर सिंह ने बताया कि जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ऋण आवेदन जल्द निपटाएं, मत्स्य पालन को प्राथमिकता दें –डीएम

संवाददाता—बहराइच। जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने बैंकों को महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि बैंक ऋण आवेदनों को बिना कारण रिजेक्ट न करें। छोटी–मोटी कमियों के लिए आवेदक से संपर्क कर आवश्यक दस्तावेज मंगवाएं।

जिलाधिकारी ने विभिन्न सरकारी योजनाओं की समीक्षा की। इनमें मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एक जनपद एक उत्पाद और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन शामिल हैं। उन्होंने बैंकों को निर्देश दिया कि वे योजनाओं का लक्ष्य पूरा करें। जिले की भौगोलिक स्थिति मत्स्य पालन के लिए अनुकूल है। डीएम ने मत्स्य पालन से जुड़े ऋण आवेदनों को प्राथमिकता से निपटाने के निर्देश दिए। बैठक में एटीएम, बैंक मित्र, ऋण जमा अनुपात और केसीसी की भी समीक्षा की गई। समीक्षा में कई बैंकों का सीडी रेशियो 50 प्रतिशत से कम पाया गया। इनमें बैंक ऑफ इंडिया, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन ओवरसीज बैंक, आईडीबीआई, यस बैंक और यूपी को–ऑपरेटिव बैंक शामिल हैं। जिलाधिकारी ने इन बैंकों को स्थिति में सुधार लाने के निर्देश दिए हैं।

सरयू नहर से बरामद हुआ युवक का शव

संवाददाता—श्रावस्ती। सोनावा थाना क्षेत्र के सरयू नगर के मुख्य शाखा में दिकौली के पास गुरुवार को लोगों ने एक शव पानी में उतराते हुए देखा। शव देख लोगों की ओर से मामले की सूचना सोनवा पुलिस को दी गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नहर से बाहर निकलवाया। इसके बाद पुलिस ने शव की पहचान कराई। जिसकी पहचान बहराइच जिले के थाना नानपारा स्थित भवानी रामगढ़ी निवासी दिलीप कुमार (22) पुत्र जगदीश प्रसाद के रूप में हुई। पहचान के बाद पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

ऋषि पंचमी पर सीताद्वार मंदिर में उमड़े श्रद्धालु

संवाददाता—श्रावस्ती। इकौना क्षेत्र स्थित सीताद्वार मंदिर में ऋषि पंचमी पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी। महिलाओं ने व्रत रखकर सीता द्वार झील में स्नान किया और पूजा–पाठ के साथ दान किया। मंदिर में सत्य नारायण कथा का आयोजन किया गया। कथा के दौरान श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से पूजा–अर्चना की। कथावाचक ने भगवान की महिमा और महत्व के बारे में विस्तार से बताया। सीताद्वार मंदिर का पौराणिक महत्व है। मान्यता है कि भगवान राम ने माता सीता को इसी स्थान पर छोड़ा था। माता सीता ने महर्षि वाल्मीकि की कुटिया में निवास किया। यहीं पर उनके पुत्र लव और कुश का जन्म हुआ था। ऋषि पंचमी का दिन महिलाओं के लिए विशेष महत्व रखता है। इस दिन महिलाएं व्रत रखकर ऋषियों की पूजा करती हैं। कार्यक्रम के दौरान शासन–प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। सीताद्वार मंदिर श्रावस्ती जनपद के इकौना तहसील में स्थित है और इसका काफी पौराणिक महत्व है।

बेटे ने बाप को कुल्हाड़ी से काटकर मार डाला

मेलादीन, मृतक

संवाददाता—अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली वारदात सामने आई है। बीकापुर क्षेत्र के सिंधुतारा गांव में एक कलयुगी बेटे ने अपने 80 वर्षीय पिता की शौच करते समय बेरहमी से कुल्हाड़ी से सिर पर प्रहार कर हत्या कर दी।

बृहस्पतिवार सुबह हुए इस हादसे ने पूरे गांव को दहला दिया। जमीन के बंटवारे को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी विवाद ने पिता—पुत्र के रिश्ते को खूनी खेल में बदल दिया। जानकारी के मुताबिक मृतक वृद्ध अपने बड़े बेटे के साथ रहते थे। जबकि छोटा बेटा उनसे अलग रहता था। जमीन बंटवारे के विवाद से गुस्से में आकर छोटे बेटे ने कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ हमला कर पिता को मौत के घाट उतार दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने बताया कि आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी भी बरामद कर ली गई है।

गांव में इस वारदात के बाद मातम पसरा हुआ है। एक बेटे की ओर से पिता की हत्या की खबर ने हर किसी को झकझोर दिया है। अयोध्या जैसी पवित्र नगरी में हुई यह घटना समाज और परिवार का एक कड़वा सच सामने लाती है। जमीन—जायदाद के विवाद इंसानी रिश्तों को तार—तार कर रहे हैं।

टांडा में बुनकरों पर बिजली विभाग की कार्रवाई का विरोध, आजाद समाज पार्टी ने कलेक्ट्रेट में दिया धरना

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। टांडा में बिजली विभाग की कार्यवाही के खिलाफ आजाद समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट स्थित अम्बेडकर प्रतिमा के प्रांगण में धरना प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने जिला अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। जिला पंचायत सदस्य और पार्टी नेता राजेंद्र गौतम ने बताया कि टांडा के पसमांदा बुनकर समाज कपड़ा बुनाई से जीविकोपार्जन करता है। बिजली विभाग की कार्रवाई से उनकी आजीविका प्रभावित हो रही है। विभाग अव्यवहारिक बिल जारी करता है, जिसे गरीब बुनकर जमा नहीं कर पा रहे हैं। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि बिजली विभाग के कर्मचारी बुनकरों के खिलाफ छापेमारी कर अवैध वसूली करते हैं। विभाग पर फर्जी मुकदमे में बुनकरों को फंसाने का भी आरोप लगा है। कर्मचारी बिना महिला स्टाफ के घरों में घुसकर वीडियो बनाते हैं।

प्रदर्शनकारियों ने टांडा के बुनकरों के लिए विशेष बिजली रियायती योजना की मांग की है। साथ ही पुराने बिजली बिलों में माफी, छापेमारी पर रोक और सरकारी राहत पैकेज की मांग भी की है। धरने में पार्टी के जिला अध्यक्ष जय सिंह राणा, अजय कुमार, सुहेल अहमद, मशरूर अहमद सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार की पुलिया से टक्कर में बुजुर्ग महिला की मौत

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज—चन्द्रीपघाट मार्ग पर गुरुवार सुबह एक सड़क हादसा हुआ। भवानीगंज थाना क्षेत्र के चन्द्रीपघाट पुल के पास एक तेज रफ्तार कार पुलिया से टकरा गई। हादसे में कार में सवार फातिमा खातून (60) की मौत हो गई।

डुमरियागंज थाना क्षेत्र के जबजौआ गांव निवासी सद्दाम अपनी बीमार मां फातिमा खातून को इलाज के लिए लखनऊ ले जा रहे थे। सुबह करीब 6 बजे चन्द्रीपघाट पुल के पास उनकी कार अनियंत्रित होकर पुलिया से टकरा गई। टक्कर में कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। इस बीच घायल फातिमा खातून और मोहम्मद उजैर को परिजन एक निजी अस्पताल ले गए। गंभीर हालत के चलते डॉक्टरों ने उन्हें गोंडा रेफर किया। फातिमा खातून ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। सद्दाम और शादाब को हल्की चोटें आई हैं। घटना से गांव में शोक का माहौल है।

राम जन्मभूमि की सुरक्षा ड्यूटी में तैनात पीएसी जवान की मौत

संवाददाता—अयोध्या। राम जन्मभूमि परिसर की सुरक्षा में तैनात पीएसी के एक जवान की ड्यूटी के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई है। मृतक जवान राम हर्ष यादव (53) पीएसी की 30वीं बटालियन में तैनात थे। वह मूल रूप से गोरखपुर के निवासी थे। घटना बृहस्पतिवार सुबह की है। ड्यूटी के दौरान अचानक राम हर्ष यादव की तबीयत बिगड़ गई। तुरंत मौके पर मौजूद जवानों ने उन्हें एंबुलेंस से श्रीराम अस्पताल पहुंचाया लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। कारण हार्ट अटैक प्रतीत हो रहा है। हालांकि, सही कारण की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही होगी। पोस्टमार्टम और पंचायतनामा की कार्रवाई जारी है। जवान के परिजनों को सूचना दे दी गई है। राम जन्मभूमि परिसर की सुरक्षा ड्यूटी के दौरान हुई इस अचानक घटना से सुरक्षा बलों, पुलिस और प्रशासन में शोक की लहर है।

दो दिन में 32 वांछित और वारंटी अपराधी गिरफ्तार, कोर्ट में पेश

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने 27 और 28 अगस्त की रात विभिन्न थाना क्षेत्रों में छापेमारी कर 11 वांछित और 21 वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। एडिशनल एसपी प्रशांत कुमार ने बताया कि सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है। उन्होंने कहा कि अपराधियों पर कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। गिरफ्तार आरोपियों में भवानीगंज थाना क्षेत्र से मिठाईलाल, खेसरहा थाना क्षेत्र से फूलचंद उर्फ छांगुर और परमेश्वर शामिल हैं। कठेला थाना क्षेत्र से हरिवंश उर्फ हरवेश कुमार, दतरंगवा से प्रकाश साहनी और आजादनगर से शहीद को गिरफ्तार किया गया। त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र से कुनमुन और प्रदीप कुमार उर्फ अजोरे को पकड़ा गया। उसका बाजार थाना क्षेत्र से प्रकाश लोध उर्फ प्रभुदयाल लोध और संतोशी उर्फ संतोष गिरफ्तार हुए। बांसी थाना क्षेत्र से राकेश, संतराम, रामू गौड़, रामरूप, सुरेंद्र, रामदीन, रामशरण और धमालू को गिरफ्तार किया गया।

सूत्रों के अनुसार ये सभी अभियुक्त लंबे समय से फरार चल रहे थे। कई अभियुक्तों के खिलाफ अदालत से गिरफ्तारी वारंट जारी था। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र के अपराधियों में खलबली मच गई है।

रुस्तमपुर में हॉस्पिटल में शार्ट सर्किट से लगी आग, मची अफरातफरी

संवाददाता—गोरखपुर। गोरखपुर—लखनऊ हाईवे पर रुस्तमपुर में गुरुवार को एक हॉस्पिटल में शॉट सर्किट से आग लग गई। हॉस्पिटल में मरीज भर्ती थे। आग लगने से वहां अफरा—तफरी का माहौल हो गया। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने करीब 30 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। इस वजह से कोई जनहानि नहीं हुई। रामगढ़ताल थाना क्षेत्र के रूस्तमपुर हाईवे पर संजय फ्रैक्चर क्लिनिक है। इसके संचालक डॉ. संजय विश्वकर्मा हैं। हॉस्पिटल में आर्थो के मरीज भर्ती किए जाते हैं। जबकि अंदर की तरफ डॉक्टर अपने परिवार के साथ रहते हैं। हॉस्पिटल में गुरुवार दोपहर बाद अचानक आग लग गई।

इसके बाद हॉस्पिटल के बाहर लॉन में लगी एसीपी (एल्युमीनियम कम्पोजिट पैनल) की सीट धू—धूकर जलने लगी। आग देखकर लोग घबरा गए। अपने—अपने मरीजों के पास परिजन पहुंच गए। उन्हें दूसरी जगह ले जाने का प्रबंध करने लगे। तभी हॉस्पिटल से फायर ब्रिगेड डिपार्टमेंट को कॉल किया गया। 10 मिनट में टीम आकर रेस्क्यू शुरू कर दी। दमकल की 2 गाड़ियों के साथ पहुंची टीम ने करीब 30 मिनट में आग पर काबू पा लिया। फायर स्टेशन ऑफिसर शांतनू यादव ने बताया कि आग अंदर तक फैल जाती तो बड़ी जनहानि हो सकती थी। समय से रेस्क्यू शुरू करने की वजह से बाहर ही आग पर काबू पा लिया गया। उन्होंने बताया कि इलेक्ट्रिक पैनल में शॉट सर्किट से आग लगी है। जिससे हॉस्पिटल के लॉन में छाया के लिए लगाई गई एसीपी सीट पिघल कर गिरने लगी। उधर, आग लगने से रूस्तमपुर इलाके में बदलों में धुआं छा गया। इस दौरान आस—पास के लोगों की भीड़ जमा हो गई थी।

नौका विहार पर मनबढ़ों ने युवक को मारी गोली

संवाददाता—गोरखपुर। नौका विहार में बुधवार रात उस समय हड़कंप मच गया जब कानपुर से पत्नी को ले जाने आए युवक पर अज्ञात बदमाशों ने फायरिंग कर दी। गोली लगने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पहले उसे सदर अस्पताल और फिर बीआरडी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

रामगढ़ ताल थाना पुलिस क्राइम ब्रांच हमलावरों की तलाश कर रही है। घटनास्थल को लेकर पुलिस अभी असमंजस में है चर्चा है की वारदात गीड़ा क्षेत्र में हुई है। घायल युवक की पहचान राहुल गौतम (32) पुत्र अनिल गौतम निवासी काकादेव, कानपुर नगर के रूप में हुई है। राहुल ने पुलिस को बताया कि उसने एक वर्ष पहले कोतवाली क्षेत्र की रहने वाली जन्नत से प्रेम विवाह किया था। पत्नी को ले जाने के लिए बुधवार को कानपुर से गोरखपुर आया था।जानकारी के मुताबिक बुधवार रात करीब एक बजे राहुल अपने मित्र के साथ नौका विहार क्षेत्र में मौजूद था। इसी दौरान सफेद रंग की कार से आए दो अज्ञात बदमाशों ने उस पर फायरिंग कर दी। गोली उसके कंधे में लगी। किसी तरह वह स्कूटी से भागकर सदर अस्पताल पहुंचा और डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। डॉक्टरों ने गंभीर हालत देखकर उसे बीआरडी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

सूचना पर पुलिस के आलाधिकारी मौके पर पहुंचे। यह भी चर्चा है कि युवक को गोली गीड़ा क्षेत्र मारी गई है।अस्पताल पहुंचने के बाद उसने जानकारी दी तो नौकायन बता दिया। एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि हमलावरों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। घटना कहां हुई है अभी कंफर्म नहीं हो पाया है जल्द ही गुट्टी सुलझा ली जाएगी।

अयोध्या बनेगा देश का पहला प्राकृतिक खेती वाला जिला, हर किसान को पालनी होगी गाय

संवाददाता—अयोध्या। प्रदेश सरकार की एक नई पहल ने किसानों और श्रद्धालुओं दोनों को नई दिशा दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सपना है कि रामनगरी को ऐसा जिला बनाया जाए, जहां हर किसान के पास गाय हो और खेती पूरी तरह प्राकृतिक तरीके से की जाए। इसी उद्देश्य से गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्त के साथ उपाध्यक्ष और सदस्य अयोध्या पहुंचे। जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में आयोग अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्त ने कहा कि अब अयोध्या आने वाले देश—विदेश के श्रद्धालुओं को केमिकल फ्री भोजन मिलेगा। यहां की खेती गोमूत्र और गोबर आधारित प्राकृतिक पद्धति से होगी। मुख्यमंत्री के निर्देश हैं कि रामनगरी का हर किसान गाय पाले, गोमूत्र का संग्रह करे और गोबर से खाद व ऊर्जा का संयंत्र बनाए। उन्होंने बताया कि खेती से मिलने वाले अन्न और सब्जियों की शुद्धता की जांच के लिए नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय में 26 करोड़ रुपये की लागत से एक अत्याधुनिक लैब स्थापित की जा रही है। इस लैब में फसलों और सब्जियों की टेस्टिंग होगी और फिर अयोध्या का खाद्यान्न देश—विदेश तक पहुंचेगा। श्याम बिहारी गुप्त ने स्पष्ट किया कि आने वाले समय में कोई भी गाय सड़कों पर नजर नहीं आएगी। उन्होंने आंकड़े देते हुए कहा कि प्रदेश में दो करोड़ 86 लाख किसान हैं। जबकि गोवंश की संख्या सिर्फ एक करोड़ 90 लाख है। यदि हर किसान एक गाय पाले तो एक करोड़ से अधिक नई गायों की आवश्यकता होगी। उन्होंने संदेश दिया कि जिसके घर में गाय होगी, वही समृद्ध कहलाएगा और जिसके पास गाय नहीं होगी वही दरिद्र माना जाएगा। दूध, घी, अन्न, फल और सब्जियां ही वास्तविक संपत्ति हैं। बड़ी गाड़ियां और मकान नहीं। उन्होंने चेताया कि अगर घर का एक सदस्य गंभीर बीमारी से ग्रसित हो गया तो पूरी संपत्ति अस्पताल में खत्म हो सकती है।

बेटी की फीस जमा करने जा रहे पिता की मौत

संवाददाता—अयोध्या। सुल्तानपुर जिले के हलियापुर क्षेत्र के जवाहर तिवारी गांव निवासी राजमणि तिवारी उर्फ राजू (50) की कुमारगंज के सौ शैय्या संयुक्त चिकित्सालय में हार्ट अटैक से मौत हो गई। राजमणि अपना इलाज और अपनी बेटी की फीस जमा करने के लिए घर से जा रहे थे। घटना दोपहर करीब 12रू30 बजे की है। राजमणि तिवारी दौड़ते हुए अस्पताल की इमरजेंसी में आए और डॉक्टर को बुलाने लगे। उन्होंने होमगार्ड को बताया कि उन्हें सांस लेने में तकलीफ हो रही है। होमगार्ड तुरंत उन्हें डॉक्टर के पास ले गए। डॉक्टरों ने इमरजेंसी में इलाज शुरू किया। लेकिन 5 मिनट के अंदर ही राजमणि तिवारी की मौत हो गई। शुरुआत में अस्पताल प्रशासन को मृतक की पहचान के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। काफी प्रयास के बाद मृतक का नाम पता चला तो परिवार को सूचना दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही परिवार के सदस्य अस्पताल पहुंचे। पिता की मौत की खबर सुनकर बेटे—बेटियां रो पड़े। अस्पताल के कर्मचारियों ने उन्हें सांत्वना दी। निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण अयोध्या डॉ बृजेश कुमार चौहान और अस्पताल के सीएमएस डॉ रवि पाण्डेय ने इमरजेंसी में पहुंचकर राजमणि को देखा लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा की कार्रवाई शुरू की। परिवार के सदस्यों ने पोस्टमॉर्टम कराने से इनकार कर दिया है।

पिकअप की टक्कर से बाइक सवार दो दोस्तों में से एक की गई जान, दूसरा घायल

संवाददाता—अयोध्या। बीकापुर थाना क्षेत्र के खजुराहट मिल्कीपुर मार्ग पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। गुरूवार को दोपहर लगभग 2 बजे एक अज्ञात पिकअप वाहन ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी।

हादसे में बाइक चालक मोहम्मद जुबैद (पुत्र शकील अहमद) गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीकापुर ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने के कारण दर्शन नगर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। दूसरे युवक लारेब अहमद (पुत्र जावेद अहमद) की मौके पर ही मौत हो गई। लारेब अमावा का रहने वाला था और आज ही उसका 18वां जन्मदिन था। चिकित्सकों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उसे मृत घोषित कर दिया।

स्थानीय पुलिस को सूचना मिलते ही टीम घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। विपरीत दिशा से तेज गति में आ रहे चार पहिया वाहन की टक्कर से हुए इस हादसे ने गांव में मातम का माहौल बना दिया है।

प्रभारी निरीक्षक लालचंद सरोज ने बताया कि मृतक परिवार की तरफ से अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। दुर्घटना करने वाली चार पहिया वाहन फरार हो गया है। जैसे ही तहरीर मिलेगी तो मुकदमा दर्ज कर लिया जाएगा। थाने के उप निरीक्षक पुलिस टीम के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीकापुर भेजा गया है जहां मृतक का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए लिखा पड़ी की जा रही है।

महिला के गले से मंगलसूत्र छीनकर बाइक सवार बदमाश फरार

संवाददाता—संतकबीरनगर। चोरों ने दिनदहाड़े चेन स्नैचिंग की वारदात को अंजाम दिया। घटना गुरुवार दोपहर साढ़े बारह बजे के करीब चुरेब रेलवे क्रॉसिंग के पास की है। तेनुहारी दोयम की रहने वाली रिंकी चुरेब बाजार से किराना सामान खरीदकर पैदल घर लौट रही थी। रेलवे क्रॉसिंग के पास एक युवक पैदल उसकी तरफ आया। युवक ने अचानक रिंकी के गले से सोने का मंगलसूत्र छीन लिया। वह तुरंत वहां पहले से खड़ी बाइक पर अपने साथी के साथ चुरेब की तरफ भाग निकला।

रिंकी के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। तब तक दोनों बदमाश फरार हो चुके थे। पीड़िता ने पुलिस को घटना की सूचना दी। कांटे चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। थाना कोतवाली खलीलाबाद के इंस्पेक्टर पंकज कुमार पांडेय ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 202 / 2025
न्यायालय— श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) स्थान—बांसी जिला—सिद्धार्थनगर

सुरेश प्रसाद
बनाम
हरीश आदि

1. हरीश 2. दिलीप 3. गिरीश 4. सतीश पुत्रगण नन्दलाल साकिनान मौजा महरवाजोत तप्पा चवर परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 24—09—2025

वादी ने आपके विरूद्ध आज्ञापक आदेश के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **24—09—2025** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख 27.08.2025 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी
मुद्आलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
यायालय—श्रीमान प्रथम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला—बस्ती
वाद सं0—941 / 2011

रमानीनाथ
बनाम
मुनरा देवी

1/1 दिनेश उम्र 25 साल 1/2 भोला उम्र 20 साल 1/3 राजेश उम्र 18 साल पुत्रगण भगौती 1/4 राम किशोर उम्र 16 साल 1/5 अमित उम्र 14 साल 1/6 दीपक उम्र 12 साल नावालिगान संरक्षक भगौती पिता स्वयं साकिनान मौजा पूरेगंगाराम उर्फ पूरे सिंह तप्पा वेलवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 18—09—2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 18 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी
मुद्आलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
यायालय—श्रीमान पंचम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला—बस्ती
वाद सं0—327 / 2005

मोहम्मद हुसेन आदि
बनाम
खलीकुल हसन आदि

1/1 आमिर खलीलुल हसन पुत्र खलीकुल हसन 1/2 मेहरूलनिंशा पत्नी खलीकुल हसन निवासीगण मोहल्ला जामा मस्जिद तुरकहिया निकट जामा मस्जिद तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 28—09—2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 28 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर
तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला—बस्ती
मूलवाद सं0—579 / 2024

रामजतन
बनाम
वीरेन्द्रनाथ आदि

1. वीरेन्द्रनाथ पुत्र रामकरन साकिन महूघाट तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला—बस्ती
—प्रतिवादी प्रथम वर्ग
2. श्रीमती विन्दू देवी पत्नी पंकजधर दूबे साकिन महाराजगंज हाल मुकाम महूघाट तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला—बस्ती
—प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 09—09—2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 09 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर
तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय—श्रीमान द्वितीय अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला—बस्ती
मूलवाद सं0—1043 / 2019

जुगुन
बनाम
शोभा आदि

1. श्रीमती शोभा उम्र 33 वर्ष पत्नी गंगाराम निवासी ग्राम बेम्वहना तप्पा वनगवॉ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला—बस्ती —प्रतिवादी प्रथम वर्ग
2. चौधर उम्र 65 वर्ष पुत्र मगरू निवासी ग्राम बेम्वहना तप्पा वनगवॉ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला—बस्ती —प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 06—09—2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 06 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 28 माह 08 सन 2025 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर
तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय—श्रीमान प्रथम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला—बस्ती
मूलवाद सं0—1357 / 2023

सन्तराम
बनाम
राम चरित्तर आदि

2. हृदयराम उम्र करीब 65 वर्ष 3. राधेश्याम उम्र करीब 55 वर्ष 4. सियाराम उम्र करीब 50 वर्ष पुत्रगण राम आसरे निवासीगण ग्राम उमरिया हाल मुकाम सेमरा तप्पा ऊँजी परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 26—09—2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 26 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक—**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक—**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय—
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय—
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय—
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com